SAMPLE QUESTION PAPER - 9
Hindi A (002)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

भारत में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल न सिर्फ खेतों में, बल्कि खेतों से बाहर मंडियों तक में होने लगेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिए सही नहीं है। लेकिन जिस रफ्तार से देश की आबादी बढ़ रही है, उसके मद्देनज़र फसलों की अधिक पैदावार ज़रूरी थी । समस्या सिर्फ रासायनिक खादों के प्रयोग की ही नहीं है। देश के ज्यादातर किसान परंपरागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं। दो दशक पहले तक हर किसान के यहाँ गाय, बैल और भैंस खूँटों से बँधे मिलते थे। अब इन मवेशियों की जगह ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ले ली है। परिणाम स्वरूप गोबर और धूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद खेतों में गिरनी बंद हो गई। पहले चैत-बैसाख में गेहूँ की फसल कटने के बाद किसान अपने खेतों में गोबर, राख और पत्तों से बनी जैविक खाद डालते थे। इससे न सिर्फ खेतों की उर्वराशक्ति बरकरार रहती थी, बल्कि इससे किसानों को आर्थिक लाभ के अलावा बेहतर गुणवत्ता वाली फसल मिलती थी।

1. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिए सही है।

कारण (R): देश की बढ़ती आबादी के कारण फसलों की अधिक पैदावार आवश्यक है।

विकल्प:

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

I. जैविक खाद खेतों की उर्वरता बनाए रखने में सहायक है।

II. ट्रैक्टर और ट्रॉली के प्रयोग से किसानों की परंपरागत कृषि पद्धति प्रभावित हुई है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

III. रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग फसलों की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है।

IV. रासायनिक खादों का उपयोग फसलों की अधिक पैदावार के लिए किया जाता है।

विकल्प:

i. कथन I, II और IV सही हैं।

ii. कथन I और III सही हैं।

iii. कथन III और IV सही हैं।

iv. कथन I और II सही हैं।

3. नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें और सही विकल्प का चयन करें:

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. परंपरागत कृषि पद्धति	1. गोबर और पत्तों से बनी जैविक खाद का उपयोग।
II. रासायनिक खाद	2. फसलों की अधिक पैदावार का मुख्य कारण।
III. ट्रैक्टर का प्रयोग	3. मवेशियों के महत्व को कम करता है।

विकल्प:

i. I (1), II (3), III (2)

ii. I (2), II (1), III (3)

iii. I (1), II (2), III (3)

iv. I (3), II (2), III (1)

4. रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के प्रयोग को बढ़ावा देने का क्या कारण था? (2)

5. जैविक खाद की क्या विशेषता होती है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

जगपति कहाँ ? अरे, सदियों से वह तो हुआ राख की ढेरी;
वरना समता-संस्थापन में लग जाती क्या इतनी देरी?
छोड़ आसरा अलख शक्ति का; रे नर, स्वयं जगत्पति तू है,
तू यदि जूठे पत्ते चाटे, तो तुझ पर लानत है, थू है!
कैसा बना रूप यह तेरा, घृणित, पतित, वीभत्स, भयंकर!
नहीं याद क्या तुझको, तू है चिर सुंदर, नवीन प्रलयंकर ?
भिक्षा-पात्र फेंक हाथों से, तेरे स्नायु बड़े बलशाली,
अभी उठेगा प्रलय नींद से, तनिक बजा तू अपनी ताली।
ओ भिखमंगे, अरे पराजित, ओ मज़लूम अरे चिरदोहित,
तू अखंड भंडार शक्ति का; जाग, अरे निद्रा-सम्मोहित,
प्राणों को तड़पाने वाली हुंकारों से जल-थल भर दे,
अनाचार के अंबारों में अपना ज्वलित पलीता भर दे।

i. कवि ईश्वर को जगतपति क्यों नहीं मानता? (1)

(क) क्योंकि ईश्वर समानता स्थापित नहीं कर पाया।

(ख) क्योंकि ईश्वर कुछ नहीं करता है।

(ग) क्योंकि ईश्वर लोगों के उनके हाल पर छोड़ देता है।

(घ) क्योंकि ईश्वर के हाथ में कुछ नहीं है।

ii. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): काव्यांश में "जगपति" का संदर्भ निराशा और कमजोरियों को व्यक्त करने के रूप में किया गया है।

कारण (R): काव्य में मानव को अपनी शक्तियों का अहसास कराते हुए उसे जागृत करने की अपील की जा रही है।

विकल्प:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

iii. काव्यांश के अनुसार, निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

I. काव्यांश में मानव को अपनी छिपी शक्तियों को पहचानने और जागृत होने के लिए प्रेरित किया गया है।

II. काव्य में "जगपति" को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है।

III. काव्यांश में निष्क्रियता और आलस्य के खिलाफ आक्रामकता और शक्ति का संदेश दिया गया है।

IV. काव्य में "प्रलय" का संकेत भविष्य में होने वाली विनाशकारी घटनाओं से है।

विकल्प:

(क) केवल I और II सही हैं।

(ख) केवल I, III और IV सही हैं।

(ग) केवल II और III सही हैं।

(घ) केवल I और IV सही हैं।

iv. कवि मनुष्य से क्या करने को आह्वान करता है? (2)

v. मनुष्य जगतपति कैसे बन सकता है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए:** **[4]**

i. मैं तो मुग्ध था उनके मधुर गान पर-जो सदा ही सुनने को मिलता। (सरल वाक्य में बदलकर लिखिए)

ii. कहा जा चुका है कि मूर्ति संगमरमर की थी। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर लिखिए और उसका भेद भी लिखिए)

iii. मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। (रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए)

iv. मिलने आए हुए लोगों को देखकर उन्होंने स्वागत किया। (संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए)

v. गार्ड ने हरी झंडी दिखाई और रेलगाड़ी चल पड़ी। (सरल वाक्य/मिश्रित वाक्य)

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए - (1x4=4)** **[4]**

i. चलो, ज़रा घूमें। (भाववाच्य में)

ii. आओ, बैठा जाए। (कर्तृवाच्य में)

iii. बाबूजी से यह हाल सुना नहीं गया। (कर्तृवाच्य में)

iv. नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। (कर्मवाच्य में)

v. माँ अभी भी खड़ी नहीं हो पाती। (भाववाच्य में)

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

i. <u>भोलानाथ</u> बाकी सभी लड़कों के साथ खेलने लगा।

ii. लेकिन आदत से मजबूर आँखें <u>मूर्ति</u> की तरफ़ उठ गईं।

iii. यह सब मैंने केवल <u>सुना</u>।

iv. <u>जल्दी</u> चलो, ट्रेन आने ही वाली है।

v. श्याम ने कल मुझे <u>गाड़ी में</u> बिठाया था।

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

i. कर कमल-सा कोमल है।

ii. “मैया मैं तो चन्द्र-खिलौना लैहों”

iii. चरण-कमल बंदौं हरिराई।

iv. मुख मानो चन्द्रमा है।

v. आगे नदियाँ पड़ी अपार, घोडा कैसे उतरे पार।
राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

गाड़ी छुट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे से डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकुल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजें-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हो या खीरे जैसी अपदार्थ (सामान्य/मामूली) वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हो।

i. नवाब साहब की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न क्यों दिखाई दिया?

i. डिब्बे में लेखक के सहसा आ जाने के कारण।
ii. नवाब साहब नहीं चाहते थे कि उसके डिब्बे में कोई आए।
iii. अत्यधिक शोर होने के कारण।
iv. स्टेशन पर खीरे वाले को देखकर।

क) कथन i, ii, ii व iv सही है। ख) कथन i सही है।

ग) कथन i व ii सही है। घ) कथन ii सही है।

ii. **कथन (A):** डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया।
कारण (R): हर इंसान अपने जीवन में कभी न कभी एकांत चाहता है, जब उस पर कोई खलल डालता हैं तो सचमुच में बुरा लगता है।

क) कथन (A) सही है और कारण (R) गलत है। ख) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। घ) कथन (A) सही है, और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

iii. लेखक ट्रेन के किस डिब्बे में सफ़र कर रहा था?

क) थर्ड क्लास ख) सेकंड क्लास

ग) अपर क्लास घ) फर्स्ट क्लास

iv. डिब्बे में चढ़ते ही लेखक ने क्या देखा?

क) सफ़ेदपोश सज्जन ख) इलाहाबादी नवाब

ग) दो ताजे खीरे घ) अपदार्थ वस्तु

v. लेखक के अचानक डिब्बे में आ जाने से सज्जन की आँखों में क्या दिखाई दिया।

क) प्रसन्नता ख) भावुकता

ग) क्रोध घ) असंतोष

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **नेताजी का चश्मा** पाठ का संदेश क्या है? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

ii. मन्नू भंडारी के लेखकीय व्यक्तित्व निर्माण में शीला अग्रवाल की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। **[2]**

iii. बालगोबिन की मृत्यु को गौरवशाली मृत्यु कैसे कहेंगे? **[2]**

iv. मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है। किन्हीं दो प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जब- जब मानव संस्कृति ने अपने एक होने का प्रमाण दिया। **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्यौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी।

i. गोपियों ने श्रीकृष्ण के प्रति अपने प्रेम को किसके समान बताया है?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) गुड़ के प्रति चींटी के प्रेम के समान
ग) उद्धव के प्रति संदेश के समान
घ) योग के प्रति योगी के समान

ii. गोपियाँ उद्धव को 'बड़भागी' क्यों कह रही हैं?

क) श्रीकृष्ण के निकट रहने पर भी उनका मन कृष्ण के प्रति आसक्त नहीं हुआ।
ख) वे श्रीकृष्ण के मित्र हैं।
ग) सभी विकल्प सही हैं
घ) उनके विरह में व्याकुल नहीं होना पड़ता।

iii. अंतिम पंक्तियों में गोपियों ने स्वयं को 'अबला' और 'भोली' क्यों कहा है?

क) इनमें से कोई नहीं है
ख) क्योंकि श्रीकृष्ण के प्रति उनके मन में अनुराग नहीं है
ग) क्योंकि वे उद्धव की तरह ज्ञानी हैं
घ) क्योंकि वे बिना सोचे-समझे कृष्ण के प्रेम में विरक्त हो गईं

iv. उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किससे की गई है?

क) जल में पड़ी रहने वाली तेल की गागर से
ख) पानी में पड़े रहने वाले कमल के पत्ते से
ग) उन्होंने प्रीति नदी में पाँव नहीं डुबोया है
घ) सभी विकल्प सही हैं

v. 'गुर चाँटी ज्यों पागी' में कौन किसका प्रतीक है?

क) गुर (गुड़) उद्धव का और चाँटी श्रीकृष्ण का
ख) चाँटी श्रीकृष्ण का
ग) गुर (गुड़) श्रीकृष्ण का और (चाँटी) गोपियों का
घ) गुर (गुड़) उद्धव का

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. **अट नहीं रही है** कविता के द्वारा वस्तुतः कवि क्या कहना चाहता है? अपने शब्दों में समझाइए। **[2]**
ii. बच्चे से कवि नागार्जुन की मुलाकात का जो शब्द-चित्र उपस्थित हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए। **[2]**
iii. 'संगतकार' कविता में 'नौसिखिया' से क्या अभिप्राय है? उसका गला कब सँध जाता है? **[2]**
iv. **आत्मकथ्य** काव्य में कवि दूसरों की कथा सुनना चाहता है, पर स्वयं मौन रहना चाहता है, ऐसा क्यों? **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

i. "माता का आँचल" पाठ में वर्णित मूसन तिवारी कौन थे? उनके साथ बाल-मंडली ने शरारत क्यों की थी और उसका क्या परिणाम हुआ? इस घटना से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? **[4]**
ii. **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के आधार पर हिरोशिमा जाने पर लेखक को क्या प्रत्यक्ष अनुभव हुआ? **[4]**
iii. **सेवन सिस्टर्स वाटर फॉल** को देख लेखिका ने अपनी भावनाओं को कैसे अभिव्यक्त किया है? **साना-साना हाथ जोड़ि...** पाठ के आधार पर लिखिए। **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

i. **काश ! मैं भी अंतरिक्ष में उड़ पाऊँ** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

संकेत-बिंदु

- दृढ़ इच्छा शक्ति
- विज्ञान की पढ़ाई
- अंतरिक्ष ज्ञान

ii. **मोबाइल : शिक्षा जगत में क्रांति का आधार** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- वर्तमान में शिक्षा जगत में इसकी अनिवार्यता
- सकारात्मक प्रभाव
- दुष्प्रभाव
- सुझाव

iii. **वर्षा की पहली फुहार** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- तन-मन की प्रसन्नता
- प्रकृति द्वारा वर्षा का स्वागत
- आस-पास का दृश्य

13. आप विद्यालय के वार्षिक उत्सव मे एक डिबेट 'क्या स्वच्छता अभियान सार्थक है' के पक्ष में अपने विचार प्रस्तुत करना चाहते है। इस हेतु प्रधानाचार्य जी से 5 मिनट तक भाषण देने की अनुमति माँगते हुए एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके मामा जी लोकसभा चुनाव जीत गए हैं। उन्हें बधाई देते हुए पत्र में लिखिए कि वे मतदाताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करें।

14. सर्वोदय कन्या विद्यालय नई सीमा पुरी में टी.जी.टी. (विज्ञान) का पद रिक्त है। विज्ञापन के अनुसार अपनी योग्यता का विवरण प्रस्तुत करते हुए शिक्षा निदेशक को स्ववृत सहित आवेदन प्रस्तुत करें। **[5]**

अथवा

आपके शहर में बिजली के खंभे टूट गए हैं, जिसके कारण आपको अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नए खंभे लगवाने के लिए बिजली बोर्ड के अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल भेजिए।

15. कोरोना काल में मास्क की आवश्यकता हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य है। इसे ध्यान में रखते हुए मास्क की ख़ूबियाँ बताते हुए लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

अपने मित्र को **लोहड़ी** पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
   2. i. कथन I, II और IV सही हैं।
   3. **:** iii. I (1), II (2), III (3)
   4. देश की जनसंख्या की बेतहाशा वृद्धि के कारण उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए फसलों की अधिक पैदावार जरुरी थी। जैविक कृषि से यह पूर्ति संभव नहीं थी इसलिए रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के प्रयोग को बढ़ावा देना पड़ा।
   5. **जैविक** खाद से खेतों की उर्वरा शक्ति बनी रहती है । इसमें लगत भी कम आती है जिससे किसानों को आर्थिक लाभ होता है और बेहतर गुणवत्ता वाली फसल भी मिलती है।
2. i. (क) कवि समाज में फैले विषमता को ईश्वर द्वारा समानता स्थापित न कर पाने के कारण उसे जगतपति नहीं मानता।
   ii. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   iii. (ख) केवल I, III और IV सही हैं।
   iv. कवि आह्वान करता है कि हे मनुष्य, तुममे अपार शक्ति का भण्डार है | अतः तू अपने अधिकारों के प्रति जाग्रत हो, कर्मशील बनो,अत्याचारों को समाप्त कर दो ।
   v. जब मनुष्य अखंड शक्ति के भंड़ार को पहचान ले और स्वयं पर विश्वास कर कर्मशील हो जाये तब मनुष्य स्वयं जगतपति बन सकता है।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. सदा ही सुनने को मिलने वाले उनके मधुर गान पर मैं तो मुग्ध था।
   ii. आश्रित उपवाक्य - मूर्ति संगमरमर की थी
   भेद - संज्ञा आश्रित उपवाक्य
   iii. मिश्र वाक्य
   iv. उन्होंने मिलने आए हुए लोगों को देखा और स्वागत किया। / मिलने आए हुए लोगों को उन्होंने देखा और स्वागत किया। / उन्होंने मिलने आए हुए लोगों को देखा और उनका स्वागत किया।
   v. गार्ड के हरी झंडी दिखाते ही रेलगाड़ी चल पड़ी। / जैसे गार्ड ने हरी झंडी दिखाई वैसे ही गाड़ी चल पड़ी।
4. i. **भाववाच्य:** चलो, जरा घुमा जाए।
   ii. **कर्तृवाच्य:** आओ, बैठे।
   iii. **कर्तृवाच्य:** बाबूजी ने यह हाल नहीं सुना।
   iv. **कर्मवाच्य:** नवाब साहब द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।
   v. माँ से अभी भी खड़ा नहीं हुआ जाता |
5. i. **भोलानाथ:** व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
   ii. **मूर्ति:** संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म
   iii. **सुना:** क्रिया, सकर्मक, कर्मवाच्य, भूतकाल
   iv. **जल्दी:** अव्यय, क्रिया विशेषण, 'चलो' क्रिया की विशेषता
   v. **गाड़ी में** - जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक, 'बिठाया' क्रिया से संबद्ध।
6. i. उपमा अलंकार
   ii. रूपक अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. उत्प्रेक्षा अलंकार
   v. अतिश्योक्ति अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

गाड़ी छुट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे से डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकुल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजें-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हो या खीरे जैसी अपदार्थ (सामान्य/मामूली) वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हो।

(i) **(ग)** कथन i व ii सही है।
व्याख्या:
कथन i व ii सही है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **(घ)** कथन (A) सही है, और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या:
कथन (A) सही है,और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iii) **(ख)** सेकंड क्लास
व्याख्या:
सेकंड क्लास

(iv) **(क)** सफ़ेदपोश सज्जन
व्याख्या:
सफ़ेदपोश सज्जन

(v) **(घ)** असंतोष
व्याख्या:
असंतोष

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) 'नेता जी का चश्मा' पाठ में देशभक्ति और देशप्रेम का संदेश दिया गया है। पाठ में बताया गया है कि देशभक्ति की भावना किसी भी व्यक्ति में, किसी भी रूप में हो सकती है। उसको व्यक्त करने का तरीका सबका अलग-अलग हो सकता है। अपनी संस्कृति पर विश्वास होना चाहिए, अपने देश के महापुरुषों पर श्रद्धा व प्रेम-भाव होना चाहिए। इसका संबंध हमारी भावना से होता है। इसको प्रकट करने के लिए किसी विशेष साधन की आवश्यकता नहीं होती।

(ii) शीला अग्रवाल लेखिका के कॉलेज में हिन्दी अध्यापिका थीं तथा खुले दिमाग वाली प्रबुद्ध महिला थीं। उन्होंने लेखिका की सीमित समझ के दायरे को बढ़ाया | साहित्य के प्रति उनका लगाव बढ़ाया | देश की स्थिति को जानने-समझने का जो सिलसिला पिताजी ने शुरू किया था, शीला अग्रवाल ने उसे सक्रिय भागीदारी में बदला | उनकी जोशीली बातों के कारण ही लेखिका के मन में अंकुरित देशप्रेम की भावना को एक विशाल वृक्ष का आकार दे दिया और वे देशभक्ति के रास्ते पर चल पड़ी |

(iii) बालगोबिन की मृत्यु को हम गौरवशाली मृत्यु कहेंगे। वह अपनी अंतिम साँस तक प्रभु-भक्ति में लीन रहे। वह नियमित दिनचर्या का पालन करते रहे। अपने जीवन को सत्कर्म में लगाए रहे। न किसी से छल-कपट किया, न किसी से कुछ माँगा। वह गाते-गाते जिए और गाते-गाते मरे। जीवन में सभी को अपना संगीत बाँटकर गए। इसलिए हम इसे गौरवशाली मृत्यु की संज्ञा देंगे।

(iv) भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ मिलजुलकर रहते हैं क्योंकि भारत एक बहुसांस्कृतिक देश है और प्रत्येक धर्म, जाति, वंश, रंग, रूप के लोग यहाँ मिलजुलकर रहते हैं। अनेक बार धर्म के आधार पर हिन्दू मुस्लिमों को एक दूसरे से लड़ाने की कोशिश की गयी लेकिन भारतीयों ने इसका जमकर मुकाबला किया। उदाहरण के तौर पर 1909 में जब अंग्रेजों ने साम्प्रदायिक मतदान पद्धति को लागू किया तो उस दौर में भी अनेक मुस्लिम नेताओं ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ मिलकर प्रगतिशील विचारधारा का साथ दिया और भारत के लिए पूर्ण आजादी की बात की। एक और अन्य उदाहरण के रूप में देख सकते हैं, मुसलमानों को हिन्दुओं के खिलाफ खड़ा करने के लिए अंग्रेजों ने मुसलमानों को अनेक प्रकार की सहूलियतें दी थीं लेकिन उसके वावजूद भी मुसलमानों ने भारत की आजादी की लड़ाई में हर कदम पर चाहे वह असहयोग आन्दोलन हो, डांडी यात्रा हो या फिर आगे भी, मुसलमानों ने प्रत्येक बार आजादी के लिए हुए संघर्ष में बढ़-चढ़कर भाग लिया और भारत के लिए पूर्ण आजादी का समर्थन किया।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्यौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी।

(i) **(ख)** गुड़ के प्रति चींटी के प्रेम के समान
व्याख्या:
गुड़ के प्रति चींटी के प्रेम के समान

(ii) **(क)** श्रीकृष्ण के निकट रहने पर भी उनका मन कृष्ण के प्रति आसक्त नहीं हुआ।
व्याख्या:
श्रीकृष्ण के निकट रहने पर भी उनका मन कृष्ण के प्रति आसक्त नहीं हुआ।

(iii) **(घ)** क्योंकि वे बिना सोचे-समझे कृष्ण के प्रेम में विरक्त हो गईं
व्याख्या:
क्योंकि वे बिना सोचे-समझे कृष्ण के प्रेम में विरक्त हो गईं

(iv) **(घ)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सभी विकल्प सही हैं

(v) **(ग)** गुर (गुड़) श्रीकृष्ण का और (चाँटी) गोपियों का
व्याख्या:
गुर (गुड़) श्रीकृष्ण का और (चाँटी) गोपियों का

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) **अट रही है** कविता के माध्यम से कवि फागुन के सौंदर्य को चित्रित कर रहा है। फागुन की शोभा कवि की आँखों को भा गई है, प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य इतना आकर्षक है कि उसकी दृष्टि उससे हटती ही नहीं, और ना उसका मन संतुष्ट हो पाता है।

(ii) कवि एवं शिशु दोनों एक दूसरे से अपरिचित थे जब उनकी मुलाकात हुई तो बच्चा कवि को एकटक देखने लगा और मुस्कुराने लगा। इसी मनोहारी मुसकान पर कवि आत्म मुग्ध एवं रोमांचित हो रहा है। कवि अपनी प्रसन्नता को व्यक्त करते हुए कह रहा है मानो मेरी झोपड़ी में कमल के फूल खिल रहे हों।
कवि बालक की मुसकान से इतना प्रभावित हो गया है कि वह उस बालक को एकटक देखे जा रहा है और बालक भी कवि को लगातार देखे जा रहा है। शिशु की मुसकान को देखकर वह अपने दुखों, परेशानियों एवं अप्रसन्नताओं को भूल जाता गया है। वह उसकी मोहक दंतुरित मुस्कान पर मंत्रमुग्ध हो रहा है कवि उस मुसकान से अभिभूत होकर उस बालक की माँ को धन्यवाद दे रहा है और लगातार उसकी मुसकान से आनंद का अनुभव प्राप्त कर रहा है।

(iii) संगतकार कविता में नौसीखिया से अभिप्राय मुख्य गायक के बचपन के दिनों से है | जब उसने गायन सीखना शुरू किया था।
जब मुख्य गायक गाने की स्थायी का गान करते हुए संगीत में स्वर का विस्तार करते हुए कठिन तान में खो जाता है। vh संगीत के साथ स्वरों को पार कर अनहद की खोज में भटक जाता है, उस समय साहयक गायक ही गीत का चरण संभाले रखता है। वह साहयक ठीक मुख्य गायक के साथ ऐसे गायन करता है जैसे यात्री के पीछे छूटे हुए सामान को समेट रहा है। सहायक गायन की भूमिका ऐसी होती है मानो मुख्य गायक को उसके आरंभिक दिनों की याद दिला रहा है यानी जब उसने गायन सीखना शुरू किया था उन दिनों की याद दिलाता है।

(iv) कवि को अपने जीवन में बहुत दुख भोगना पड़ा है। उसके जीवन में अभी ऐसी कोई विशिष्ट उपलब्धि नहीं है, जिसे सुनकर लोग 'वाह-वाह' कर उठें या उसे प्रेरणा-स्रोत बना लें। वह अपनी दुखद स्मृतियों को पुनः ताजा नहीं करना चाहता है, इसलिए वह दूसरों की कथा तो सुनना चाहता है पर स्वयं मौन रहना चाहता है।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) 'माता का आँचल' पाठ में मूसन तिवारी गांव के वृद्ध व्यक्ति थे और उन्हें आँखों से कम दिखाई देता था। एक बार जब भोलानाथ और उनके साथी बाग से लौट रहे थे तब उनके ढीठ दोस्त बैजू के बहकावे में सब बच्चों ने मिलकर मूसन तिवारी को चिढ़ाया था। मूसन तिवारी के खदेड़ने पर सब बच्चे भाग गए। तिवारी जी सीधे पाठशाला गए और वहाँ से बैजू और भोलानाथ को पकड़कर बुलवाया। बैजू तो भाग गया लेकिन भोलानाथ की गुरु जी ने खूब खबर ली। इस घटना से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें वयोवृद्ध लोगों का आदर-सम्मान करना चाहिए।

(ii) लेखक अब तक तो पुस्तकीय ज्ञान के आधार पर हिरोशिमा में हुए अणु-बम विस्फोट का अनुमान लगा रहा था। अखबारों में भी उसके प्रभाव को पढ़ रहा था किंतु जब वह हिरोशिमा गया तो उसने विश्व-युद्ध के समय अणु-बम द्वारा मचाई तबाही का दृश्य देखा। उसने अस्पतालों में पड़े उन आहत लोगों को देखा जो रेडियम से आहत कष्ट भोग रहे थे। इस तरह लेखक को हिरोशिमा पर हुए अणु-बम के प्रभाव का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ।

(iii) ऊँचाई से गिरते फेन उगलते सेवन सिस्टर्स वाटरफॉल को देखकर लेखिका मंत्रमुग्ध हो गई थी। नीचे बिखरे भारी-भरकम पत्थरों पर बैठकर लेखिका मानो अपनी आत्मा का संगीत सुन रही थी। झरना उसे जीवन के अनंत होने का बोध करा रहा था। उसे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि उसके मन की सारी तामसिक वृत्तियाँ उस निर्मल जलधारा में बहती जा रही हैं। उसका वहाँ से उठने का मन नहीं हो रहा था।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) अंतरिक्ष, एक ऐसा रहस्यमयी लोक जो सदियों से मानव को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। बचपन से ही मेरे मन में अंतरिक्ष यात्री बनने की एक दृढ़ इच्छाशक्ति रही है। मैं हमेशा सपने देखता रहा हूँ कि एक दिन मैं अंतरिक्ष में उड़ूंगा और तारों के करीब से गुजरूंगा।
इस सपने को पूरा करने के लिए मैंने विज्ञान की पढ़ाई को चुना है। मैं खगोल विज्ञान, भौतिकी और गणित जैसे विषयों में गहरी रुचि रखता हूँ। मैं इन विषयों को पढ़कर अंतरिक्ष के बारे में अधिक से अधिक जानना चाहता हूँ।
मैं अंतरिक्ष के बारे में हर संभव जानकारी जुटाता हूँ। मैं अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन के बारे में पढ़ता हूँ, अंतरिक्ष यान के बारे में जानता हूँ और अंतरिक्ष में होने वाली घटनाओं के बारे में अध्ययन करता हूँ। मुझे उम्मीद है कि एक दिन मेरा यह सपना पूरा होगा और मैं अंतरिक्ष में उड़कर मानव जाति के लिए कुछ नया कर पाऊंगा।

(ii) **मोबाइल : शिक्षा जगत में क्रांति का आधार**

मोबाइल आज एक वरदान के रूप में सामने आया है। आज कोई भी व्यक्ति इसके प्रभाव से अछूता नहीं है। वर्तमान में यह विद्यार्थियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। शिक्षा के क्षेत्र में यदि देखा जाए तो मोबाइल ने एक क्रांति ला दी है। मोबाइल के कारण विद्यार्थियों को पढ़ाई के सभी विषय घर बैठे ही समझा दिए जाते है। कोविड के दिनों में, जब दो वर्षो तक कोई विद्यार्थी पाठशाला या महाविद्यालय नहीं गया परन्तु उनकी पढ़ाई घर बैठे होती रही। इसका कारण है मोबाइल की सुविधा। छोटे-छोटे बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे थे। उन्हें व्हाट्सऐप से गृहकार्य भी दिया जा रहा था। मोबाइल के सस्ती तथा सुविधाजनक उपलब्धि के कारण सभी के लिए मोबाइल एक आवश्यकता की वस्तु बन गया। पूर्व समय में विद्यार्थी परीक्षा का फॉर्म भरकर भूल जाते थे, उन्हें तारीख याद नहीं रहती थी, आज मोबाइल के माध्यम से परीक्षा संबंधित सभी तिथियाँ इंटरनेट पर मिल जाती है और फॉर्म भी आसानी से मोबाइल के माध्यम से भर दिए जाते हैं। मोबाइल के द्वारा विद्यार्थियों को ही नहीं अपितु शिक्षकों के भी ज्ञान में वृद्धि हुई है, शिक्षक भी पढ़ने से पहले अपने ज्ञान की पुनरावृत्ति करते है जो मोबाइल के कारण बेहद आसान हो गई है, शिक्षक स्टाफ रूम में बैठे-बैठे भी अपनी कक्षा की तैयारी कर सकते है साथ ही साथ वे विद्यार्थी की सुविधानुसार उन्हें पढ़ा सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए तो यह ज्ञान का

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

वरदान है ही। आज कल विद्यार्थियों को यदि कोई विषय अथवा कोई इतिहास की घटना, गणित का सवाल नहीं आता तो मोबाइल पर ऐसे ऐप है जो उसी वक़्त आपकी मदद करके आपके सवाल हल कर देंगे या कोई भी विषय उसी वक़्त समझा देंगे। मोबाइल मनोरंजन का भी एक सर्वोत्तम साधन है, विद्यार्थी यदि पढ़ते-पढ़ते थक जाते है तो थोड़ी देर वे मोबाइल के द्वारा मनोरंजन कर सकते है, मोबाइल के कारण आज मनोरंजन के लिए टेलीविजन आवश्यक नहीं है, विद्यार्थी अपने कमरे में ही बैठे हुए थोड़ी देर के लिए अपने आप को चिंता मुक्त महसूस करवा सकते है।

(iii) **वर्षा की पहली पुकार**

बरसात के दिन किसी भी अन्य दिन से अलग होते हैं। बरसात के दिन सभी के लिए अलग-अलग महत्व रखते हैं। लोग इसका बेसब्री से इंतजार करते हैं। आखिरकार, यह सभी के लिए एक राहत की साँस लाती है। मैं परीक्षा देने के डर से सुबह उठी, जिसके लिए मैं बिल्कुल तैयार नहीं थी। मेंने परीक्षा रद्द करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। जैसे ही मैं तैयार हुई तेज़ बारिश होने लगी। मैं तैयार होकर अपने पिता के साथ स्कूल गई, और मेरे आश्चर्य का ठिकाना ही नहीं था। जब हमें पता चला कि उस दिन बारिश के कारण स्कूल बंद था। मैं सातवें आसमान पर थी, अब मुझे परीक्षा उस दिन नहीं देनी थी। मैं अपने पिता के साथ वापस आ गई। घर आकर तुरंत मैंने अपनी स्कूल यूनीफॉर्म बदली और अपने घर के कपड़ों में आ गई फिर मैं अपनी छत पर बारिश की बूँदों का मज़ा लेने लगी। माँ बार-बार आवाजें लगा रही थी, कि बीमार हो जाओगी, लेकिन मैंने एक न सुनी। मुझे बारिश में भीगना बहुत ही अच्छा लगता है। मैंने अपने भाई-बहनों के साथ बारिश में खूब मज़े किए। हमने कागज़ की नावें भी बनाई। माँ ने प्याज व आलू के पकौड़े बनाए। हमने गर्मागर्म पकौड़ों का आनंद लिया। यह वास्तव मैं मेरी सबसे यादगार बारिश के दिनों में से एक था।
प्रकृति अद्भुत है और उसके विविध रूप एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। बारिश एक ऐसा रूप है जो दुखी या उदास समय में खुशी और आभार की वास्तविक भावना प्रकट करता है। तालाब और सड़कों पर पानी से भरे नजारे सुंदर थे। छोटे बच्चे वर्षा का आनंद उठा रहे थे। प्रकृति का यह दृश्य अति मोहक था।

13. सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
ज्ञानसागर पब्लिक स्कूल,
राजनगर पालम
विषय- डिबेट प्रतियोगिता में विचार अभिव्यक्ति के संबंध में
महोदय,
विद्यालय का वार्षिक उत्सव 17.02.19 को आयोजित हो रहा है। यद्यपि इस अवसर पर कार्यक्रम अति व्यस्त होता है। तथापि मैं आपसे अनुरोध करता हूँ 'क्या स्वच्छता अभियान सार्थक है' विषय पर हमें पाँच मिनट बोलने का अवसर दिया जाए। मैं इससे कम समय में अपने विचार व्यक्त कैसे कर सकता हूँ। यह विषय बहुत महत्त्वपूर्ण है और मैं साक्ष्यों सहित ही अपने विचार रखूँगा ताकि हमारे विचारों का सकारात्मक प्रभाव पड़े किन्तु समय की कमी हमारे उद्देश्य में रोड़ा बनेगी।
अतएव आप मुझे समय देकर अनुगृहीत करें।
धन्यवाद
दिनांक - 17 जनवरी, 2019
भवदीय
राहुल शर्मा
कक्षा - 10 (अ)
अनुक्रमांक - 26

अथवा

बी - 4/25
गौतम इन्क्लेव,
पालम, दिल्ली-110045
27 फरवरी, 2019
आदरणीय मामाजी,
सादर चरणस्पर्श।
हम सब यहाँ सकुशल रहकर आशा करते हैं कि आप भी सानंद होंगे। टेलीविज़न पर समाचार देखते हुए ज्ञात हुआ कि आप वसंत विहार संसदीय क्षेत्र से सांसद का चुनाव जीत गए हैं। इस शानदार खुशी के अवसर पर मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूँ। मामा जी, आपने पिछले कई वर्षों से क्षेत्र की उन्नति के लिए अनेक कार्य किए थे। तब आप भले ही सांसद नहीं थे। पर लोगों की समस्याओं में व्यक्तिगत रुचि लेते थे और उन्हें हल करवाने के लिए प्रयासरत रहते थे। इसके अलावा चुनाव की घोषणा होने पर टिकट मिलने के बाद से ही शहर-शहर जाकर आपने जनता से व्यक्तिगत संपर्क बनाना शुरू कर दिया था। आपने विकास कार्यों को पूरा कराने, क्षेत्र में रोज़गार बढ़ाने हेतु नई फैक्ट्रियों की स्थापना शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने का जो वादा किया था, उसे पूरा करने की आशा में क्षेत्रवासियों ने आपको लोकसभा में भेजा है। मैं कामना करता हूँ कि आप मतदाताओं की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतरें।
आदरणीया मामी जी को प्रणाम तथा शुभम् को स्नेह कहना।
आपका भांजा,
केशव सिंह

14. सेवा में,
शिक्षा निदेशक,
शिक्षा निदेशालय
पुराना सचिवालय,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

दिल्ली।

विषय:- टी.जी.टी. (विज्ञान) पद के लिए आवेदन।

महोदया,

आज दिनांक 20 मई 2016 को दिल्ली से प्रकाशित 'हिन्दुस्तान के प्रातः संस्करण में प्रकाशित विज्ञापन के संदर्भ में मैं टी.जी.टी. (विज्ञान) पद के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत कर रही हूँ । मेरा स्ववृत्त इस आवेदन के साथ संलग्न है।

निवेदक/आवेदक

मीना शर्मा

20, दिलशाद गार्डन

दिल्ली

20 मई, 2016

स्ववृत्त

नाम - रीना शर्मा

पिता का नाम - सुनील कुमार शर्मा

माता का नाम - सुनीता शर्मा

जन्मतिथि - 21 जनवरी 1991

वर्तमान पता - 20, दिलशाद गार्डन, दिल्ली

स्थाई पता - 20, दिलशाद गार्डन, दिल्ली

दूरभाष - 011-2257

मोबाइल नं. - 98683535

ई-मेल - meenasharma@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ-

क्र.सं.	कक्षा	वर्ष	विद्यालय/बोर्ड	विषय	उत्तीर्ण प्रतिशत
1.	दसवीं	2006	राजकीय विद्यालय सी.बी.एस.ई.	अंग्रेजी, हिन्दी, विज्ञान, गणित, सा.विज्ञान	93%
2.	बारहवी	2008	सी.बी.एस.ई.	अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन, जीव-विज्ञान, गणित	90%
3.	बी.एस.सी.	2011	हंसराज कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय	रसायन विज्ञान	85%
4.	बी.एड.	2012	दिल्ली विश्वविद्यालय	विज्ञान	86%
5.	एम.एस.सी.	2015	दिल्ली विश्वविद्यालय	रसायन विज्ञान	85%

अन्य योग्यताएँ-

i. कम्प्यूटर का अच्छा ज्ञान
ii. जर्मन भाषा का ज्ञान

उपलब्धियाँ-

i. विज्ञान प्रदर्शनी (राज्य स्तरीय) 2007 प्रथम पुरस्कार।
ii. विज्ञान कांग्रेस 2008 द्वितीय पुरस्कार।
iii. विद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता प्रथम।

पुरस्कार कार्येत्तर गतिविधियाँ और अभिरुचियाँ-

i. योगाभ्यास, बैडमिंटन एवं संगीत का नियमित अभ्यास।
ii. चित्रकला का शौक।
iii. इंटरनेट सर्फिंग।

यदि टी.जी.टी 'विज्ञान' पद के लिए आप मेरी नियुक्ति करते है तो मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ कि पूर्णनिष्ठा और कठिन परिश्रम से अपने पद का निर्वाह करुँगी।

अथवा

From: sadhna12@gmail.com

To: Mcf@gov.in

विषय: बिजली के खंभे टूटने की सूचना और नए खंभे लगवाने का अनुरोध

महोदय,

मैं (अपना नाम), (अपना पता) का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि हमारे क्षेत्र में बिजली के कई खंभे टूट गए हैं। यह हमारे लिए बहुत परेशानी का कारण बन रहा है।

यह समस्या पिछले कुछ दिनों से है और इसके कारण हमारे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। और इस कारण से हमारा जीवन ही ठप्प हो चुका है। अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया जल्द से जल्द नए बिजली के खंभे लगवाने की व्यवस्था करें ताकि बिजली आपूर्ति बहाल हो सके और हमारी परेशान का समाधान हो सके।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आपकी त्वरित कार्यवाही के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।
धन्यवाद।
(अपना नाम और पता)

15.

कोरोना काल में मास्क की आवश्यकता

विशेषताएँ:

- अब कोरोना काल में, सभी के लिए मास्क अनिवार्य है। मास्क पहनकर हम स्वयं को और दूसरों को सुरक्षित रख सकते हैं।
- यह हमें वायरस के फैलने को रोकता है और साथ ही हमारे श्वास-वायु में गुणवत्ता को बढ़ाता है।
- इससे हमारा समुदाय स्वस्थ रहेगा और हम एक-दूसरे की देखभाल करेंगे।

सभी को अपील की जाती है कि नियमों का पालन करें और मास्क पहनें। सुरक्षित रहें।

संपर्क करें: रामा नगर, दिल्ली
संपर्क सूत्र: 1234XXXX23

अथवा

दिनांक: 13 जनवरी 2023
प्रिय मित्र,
गिरीश

लोहड़ी पर्व की ढेरों शुभकामनाएँ।

धूप हो चली तीखी तीखी
आने वाली बसंत बहार,
ढेरों खुशियाँ लेकर आया
जीवन में लोहड़ी त्यौहार।

मेरी कामना और आशीर्वाद हैं कि लोहड़ी का पर्व तुम्हारे जीवन में अपार खुशियाँ लेकर आए। तुम्हारा परिवार हमेशा स्वास्थ और समृद्धि से भरा रहे।
फिर से एक बार लोहड़ी की लख-लख बधाइयाँ।
तुम्हारी मित्र
गोविंद

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in